ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-12-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-12-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-12-24	2022-12-25	2022-12-26	2022-12-27	2022-12-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	24.0	21.0	22.0	22.0
न्यूनतम तापमान(से.)	3.0	4.0	5.0	4.0	4.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	90	90	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	330	330
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	4	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (16 - 22 दिसम्बर , 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहा। अधिकतम तापमान 20.0 से 25.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 6.0 से 9.1 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 84 से 97 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 44 से 67 प्रतिशत एवं हवा 0.5 से 2.3 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमशः 21.0-26.0 व 3.0 - 5.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 28 दिसम्बर से 3 जनवरी के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉ यड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। किसान भाई फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोए गए गेहूँ में बुवाई के 20-25 दिन बाद आवश्यकतानुसार प्रथम सिंचाई करें। प्रथम सिंचाई के 3-4 दिन बाद जब खेत चलने लायक हो जाए तब बचे हुए नाइट्रोजन की आधी मात्रा का टॉपड्रेसिंग अपराहन में करना अधिक प्रभावी होता है। गेहूँ में खरपतवार नियंत्रण हेतु दो निराई-गुड़ाई पर्याप्त होता है। पहली निराई-गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन बाद तथा दूसरी बुवाई के 45-50 दिन बाद करें। इससे खरपतवार तो नियंत्रण होता ही हैं साथ ही भूमि में समुचित हवा के संचार होने से कल्ले अधिक निकलते है। गेहूँ की विलम्भ दशा में बुवाई 25 दिसम्बर तक पूरा कर लें। विलम्भ से बुवाई में तापमान में कमी के कारण जमाव एवं बढ़वार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है अतः बीज दर 25 प्रतिशत अधिक अर्थात् 125 किग्रा प्रति हैक्टर तथा यू0पी0 2425 जैसे मोटे दाने वाली किस्मों में बीज दर में अतिरिक्त 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी करें। बीज को रातभर पानी में भिगोकर सवेरे छाया में सुखाकर बुवाई करें। इससे गेंहूँ का जमाव दो दिन पहले होता है। बुवाई 15-18 सेमी की दूरी पर बने लाईनो में करें। बुवाई की गहराई 3 से 4 सेमी रखें।
सरसों	देर से बोई गयी तोरिया व पीली सरसों की फसल में दाना भरते समय हल्की सिंचाई करें तथा सरसों में पत्ती धब्बा रोग के नियत्रंण हेतु मैन्कोजेब का 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे। सितम्बर मे बोई गई तोरिया एवं पीली सरसों की फसल परिपक्क (लगभग 75 प्रतिशत फलिया सुनहरे रंग की) होने पर कटाई कर लें।
जौ	जौं की पछेती दशा में बुवाई हेतु संस्तुत किस्में- ज्योति, प्रीति, मंजुला, जागृति का चुनाव करें। बीज दर 100-110 कि0ग्रा0/ हैक्टेयर व बुवाई 18-20 से0मी0 की दूरी पर कतारों में करें। बुवाई दिसम्बर के दूसरे पखवाड़े तक अवश्य पूरा कर लें।
गन्ना	गन्ने की फसल में निराई गुड़ाई करे एवं शेष बची हुई नत्रजन की मात्रा का समय अनुसार प्रयोग करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर में पीलापन लिए हुए भूरे धब्बे दिखाई देने पर मैन्कोजेब 2.5 से 3.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
बैंगन	बैगन के मुर्झाने की अवस्था मे कार्बन्डाजिम 1.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें। यदि पूरा पौधा सूख रहा हो तो इसी घोल से जड़ों की सिंचाई करें।
मिर्च	मिर्च एवं टमाटर में उपरी पत्तियॉ सिकुड़ने या चित्तकबरी होने की स्थिति में संक्रमित पौधो कों निकालकर नष्ट कर दे तथा रोगवाहक कीटो के नियंत्रण हेतु किसी सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करे।
सब्जी पीईए	मटर में पौधों की सूखने एवं निचली पत्तियां पीले पड़ने की अवस्था में कार्बेन्डाजिम 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर जड़ों की सिंचाई करें ।
आम	गुजिया कीट को पेड़ पर चढ़ने से रोकने के लिए इस माह के अंतिम सप्ताह में पेड़ के तने पर चारों ओर भूमि से लगभग 40से0मी0 ऊपर मिट्टी की पतली परत चढ़ाकर 400 गेज की मोटी पॉलीथीन की 25 से0मी0 चैड़ी पट्टी लपेट कर उसके दोनों तरफ सुतली से बाँधना चाहिए। साथ ही नीचे के भाग में ग्रीस का लेप लगा लेना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	ठंड में पशुओं के आहार में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। अधिक ठंड की स्थिति में पशुओं को अजवाइन और गुड़ दें। पशुओं को धान की कन्नी आहार के रूप में दें। जिससें उन्हें उर्जा और गर्मी मिलती है। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए।